पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने डीप ओशन मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को सम्मानित किया

प्रविष्टि तिथि: 28 JAN 2026 5:48PM by PIB Delhi

नई दिल्ली — समुद्री विज्ञान और ब्लू इकॉनमी में भारत की बढ़ती क्षमता को सम्मान देते हुए, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) ने डीप ओशन मिशन के शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के लिए कई स्मृति कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिन्होंने भारत सरकार के विशेष अतिथि के रूप में गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लिया।

तमिलनाडु हाउस में अभिनंदन समारोह

27 जनवरी की शाम को, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने तमिलनाडु हाउस में आयोजित एक विशेष समारोह में अतिथि वैज्ञानिकों का अभिनंदन किया। यह कार्यक्रम देश के विशाल समुद्री संसाधनों के अन्वेषण में इन शोधकर्ताओं द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देने का एक मंच था।

समारोह के बाद, डॉ. रविचंद्रन ने मेहमानों के लिए एक औपचारिक रात्रिभोज का आयोजन किया, जिससे वैज्ञानिक समुदाय के प्रति सहयोग और प्रशंसा की भावना को बढ़ावा मिला।

विशेष कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

डीप ओशन मिशन के वैज्ञानिकों को आमंत्रित करना सरकार की "जन भागीदारी" की सोच को दर्शाता है, जिसके तहत अग्रणी शोधकर्ताओं को राष्ट्रीय समारोहों के केंद्र में लाया जाता है। मंत्रालय ने मेहमानों के लिए एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- माननीय मंत्री का स्वागत समारोह: 26 जनवरी को पृथ्वी विज्ञान के माननीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा एक उत्सव भोज का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों को नेतृत्व के साथ सीधे बातचीत करने का अवसर मिला।
- सांस्कृतिक और ऐतिहासिक यात्राएं: आउटरीच कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, वैज्ञानिकों ने ऐतिहासिक शहर आगरा का दौरा किया, जिससे भारत की विरासत के बारे में उनका अनुभव और भी समृद्ध हुआ।
- गणतंत्र दिवस परेड: कर्तव्य पथ पर राष्ट्र की सैन्य और सांस्कृतिक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए, गणतंत्र दिवस परेड में वैज्ञानिकों को सम्मानजनक स्थान दिया गया।

डीप ओशन मिशन भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य संसाधनों की खोज के लिए गहरे समुद्र का अन्वेषण करना और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग के लिए गहरे समुद्र की प्रौद्योगिकियों का विकास करना है।

****

पीके/केसी/जीके

(रिलीज़ आईडी: 2219758) आगंतुक पटल : 107
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu